आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

RNI No.-RJHIN/2015/63826

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 11 | अंकः 12 | जयपुर, रविवार 26 जुलाई, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

झुन्झुनूं पुलिस की... पेज 2

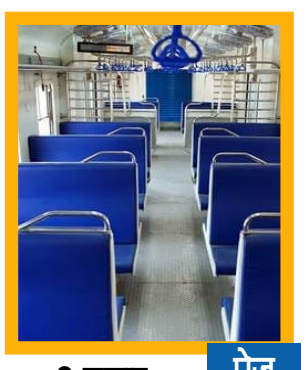

3 हजार लीटर... पेज 3

GEN जीत

धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

12 साल में विरोध के चलते इस्तीफा देने वाले पहले मंत्री; दीपके बोले- झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। नीट पेपर लीक केस में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी पिछले 36 दिन से जंतर-मंतर पर धरना दे रही है। इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा- वे कहते थे, इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते, लेकिन झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। प्रधान ने इस्तीफे को लेकर चिट्ठी पोस्ट की। दो पेज और 575 शब्दों में लिखी इस चिट्ठी में प्रधान ने बाकी बातों के साथ दो जगह युवाओं को भ्रमित करने की बात भी लिखी। चिट्ठी का यह हिस्सा नीचे हाइलाइट किया गया है।

12 साल में पहली बार विरोध के बाद मंत्री का इस्तीफा

2014 में पहली बार मोदी सरकार बनने के बाद 12 साल के कार्यकाल में धर्मेंद्र प्रधान पहले मंत्री हैं, जिन्हें विरोध के चलते इस्तीफा देना पड़ा है। हालांकि, इससे पहले 2018 में विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर ने इस्तीफा दिया था, लेकिन तब दुनियाभर में मी टू आंदोलन चल रहा था और अकबर पर पत्रकारिता के दिनों में यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे।

दीपके बोले- कॉकरोच एक बार घुसता है तो निकलता नहीं

जंतर-मंतर पर अभिजीत दीपके ने कहा- मंत्री का इस्तीफा तो हो गया है, लेकिन हमारी दो और मांगे हैं। हम ऐसे नहीं जाएंगे। कॉकरोच एक बार घुसता है, तो निकलता नहीं। जिन बच्चों ने सुसाइड किया, उनके परिवार को एक करोड़ मुआवजा मिले। पुलिसवालों पर एक्शन हो। CJP ने सोशल मीडिया पर कहा- कॉकरोच की जीत हुई।

वांगचुक बोले- ये लोकतंत्र की जीत

सोनम वांगचुक ने अस्पताल से किए पोस्ट में लिखा- यह लोकतंत्र की जीत है, प्रत्यक्ष लोकतंत्र... सड़कों से मिली जीत। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी और GenZ को बधाई। देश के हर कोने से उठ खड़े होने के लिए सभी नागरिकों को धन्यवाद।

भागवत के बयान के बाद आया प्रधान का इस्तीफा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार सुबह दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा था, 'हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता।' भागवत ने कहा था- आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के 47 अफसर बर्खास्त हुए थे

शुक्रवार रात नीट पेपर लीक मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के 47 अधिकारी बर्खास्त किए गए थे। बर्खास्त अधिकारियों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज करने की बात भी कही गई। एक दिन पहले सरकार ने गुरुवार को शिक्षा मंत्रालय के दो सचिवों को बदला था। जून 2015 में तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि हमारे यहां इस्तीफे नहीं होते हैं। यह यूपीए सरकार नहीं है। दरअसल, भाजपा सरकार पर भगोड़े ललित मोदी की गुपचुप तरीके से मदद करने के आरोप लगे थे। तब सुषमा स्वराज विदेश मंत्री थीं। कांग्रेस ने कहा कि ललित मोदी एक भगोड़ा अपराधी है, लेकिन सरकार उसकी मदद कर रही है। ऐसे में विदेश मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

कभी पेपर लीक के खिलाफ सड़क पर उतरे थे धर्मेंद्र, आज उसी मुद्दे पर इस्तीफा

29 साल पहले पेपर लीक मुद्दे पर धर्मेन्द्र प्रधान ने भी विरोध प्रदर्शन किया था। प्रधान के सहयोगी रहे प्रशांत राउत ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि 1997 में ओडिशा में एक पेपर लीक हुआ था, तब प्रधान ने प्रदर्शन किया था। इसमें करीब 1,500 छात्र शामिल हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया था। धर्मेंद्र प्रधान को बुरी तरह पीटा गया था। उनके शरीर में कई जगह चोटें आईं और फ्रैक्चर भी हुआ था।

मौजूदा पेपर लीक रोकने का कानून, 4 पॉइंट

जून 2024 तक पेपर लीक के लिए कोई एक सेंट्रल कानून नहीं था। धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और जालसाजी जैसी धाराओं में मुकदमा दर्ज होता था। इनमें जमानत की कोई सख्त शर्तें नहीं हैं।

कुछ राज्यों ने अलग से नकल-विरोधी भी कानून बनाए, मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट भी शामिल किया। उत्तर प्रदेश में कुछ मामलों में गैंगस्टर एक्ट भी लगाया गया।

नीट यूजी और GC के एग्जाम में धांधली के बाद 21 जून 2024 को केंद्र सरकार ने सार्वजानिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम लागू किया। इसमें पेपर लीक, मदद करना, गलत तरीके से ओएमआर शीट हासिल करना, नकल करवाना, एग्जाम से जुड़ी फर्जी वेबसाइट बनाने या परीक्षक को धमकी को सजा के दायरे लाया गया। ये सभी अपराध गैर-जमानती हैं, इनमें दो कैटेगरी में सजा का प्रावधान है। पहला- पेपर लीक वगैरह करने पर 3 से 5 साल की सजा और 10 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। दूसरा- एग्जाम करवाने वाली संस्था या एजेंसी के डायरेक्टर या मैनेजमेंट के ऑफिसर्स ने कोई अपराध किया, तो 3 से 10 साल तक की जेल और एक करोड़ का जुर्माना हो सकता है।

आरएसएस की सख्ती से गई प्रधान की कुर्सी, 3 दिन में कैसे पलटा खेल

नई दिल्ली। 22 जुलाई रात 10.30 तक तय था कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे। गृहमंत्री अमित शाह और पीएम मोदी का सपोर्ट उन्हें कुर्सी पर टिकाए हुए था। फिर आरएसएस और बीजेपी की एक मीटिंग हुई और कुर्सी डगमगाने लगी। शाह अब भी साथ थे, लेकिन प्रधानमंत्री का सपोर्ट हट चुका था। आरएसएस की तरफ से सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार और कृष्ण गोपाल के साथ दो और पदाधिकारी मौजूद थे। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और जेपी नड्डा मौजूद थे। ये मीटिंग न बीजेपी दफ्तर में हुई और न ही संघ कार्यालय में। वजह थी, इस मीटिंग और उसमें हुई बातों को सीक्रेट रखना। इस मीटिंग के बारे में किसी को खबर नहीं थी।

तय हुआ पीएम मोदी तुरंत रात में ही जेन जी के अंदाज में बात करें

सोर्स ने बताया इसी मीटिंग में तय हुआ कि पीएम मोदी तुरंत यानी रात में ही जेन जी के सबसे फेवरेट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए बात करेंगे। भाषा भी ऐसी हो जो जेन जी तक पहुंचे। ये तक तय हुआ कि पीएम निश्चिंत न दिखें। चेहरे पर चिंता और आंखों में नींद दिखे, ताकि मैसेज जाए कि वे स्टूडेंट्स की फिक्र में सोए नहीं। ऐसा इंस्टाग्राम की पोस्ट में झलका भी। संघ के प्रतिनिधियों ने सधी शैली में कहा कि धर्मेंद्र के इस्तीफे पर विचार करना चाहिए।

आंदोलन भड़क रहा है। यूपी-पंजाब में चुनाव है। बिहार में सरकार अभी स्थिर नहीं हो पाई है। ऐसे में अगर ये आंदोलन वाकई नेपाल के जेन जी जैसा हुआ, तो सरकार कठिनाई से घिर जाएगी। आखिर में कहा गया कि ये संघ का स्पष्ट विचार है। इसके लिए 5 दिन यानी 27 जुलाई तक हमें देखना चाहिए कि पूरे देश से रिपोर्ट क्या आती है। अगर आंदोलन दब गया तो ठीक नहीं तो सोमवार को इस्तीफा दिलाना चाहिए। इन 5 दिनों में हमें पहले हर संभव कोशिश करनी चाहिए।

प्लान पर शुरू हुआ काम

1. दूसरे दिन रात में वांगचुक का अनशन तुड़वा दिया गया। ये मुश्किल नहीं था क्योंकि वांगचुक तैयार थे। 2. नरेटिव बनने लगा। एबीवीपी के छात्रों तक मैसेज भेजना शुरू हुआ। 3. 25 जुलाई को एबीवीपी से जुड़े करीब 150 स्टूडेंट्स प्रयागराज से दिल्ली पहुंचे। सुबह से जंतर-मंतर के प्रदर्शन में शामिल हो गए। जिला स्तर पर तो 23 जुलाई से ही छात्र एक्टिव हो गए थे। सोर्स बताते हैं, 'वांगचुक और दीपके के बीच दरार पड़ गई। वांगचुक पर डील करने के आरोप लगे। बीजेपी इसमें कामयाब रही, लेकिन आंदोलन को बढ़ने से नहीं रोक पाई। दूसरी तरफ, एबीवीपी की तरह समाजवादी पार्टी की यूथ विंग एक्टिव हो गई। मैसेजिंग हुई कि हर जिले में 500 युवा इकट्ठे हों। दिल्ली में जंतर-मंतर के साथ बिहार, यूपी में भी प्रदर्शन की आग बढ़ने लगी।

डेडलाइन से 2 दिन पहले हो गया इस्तीफा...

आंदोलन भड़का तो आरएसएस ने और स्पष्ट मैसेज भेजा। सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी संदेश दिया कि जेन जी से संवाद करना चाहिए। हमारी पीढ़ी अलग थी। हम आदेश मानते थे। ये पीढ़ी संवाद चाहती है। जेन जी को उनके तरीके से समझाकर हम रास्ते में ला सकते हैं। भागवत ने मीडिया में ये बोलने से पहले ही संदेश पीएम और गृहमंत्री को भेज दिया था। आरएसएस ने साफ कहा कि अब अगर ये आंदोलन बढ़ा तो सरकार संकट में आ जाएगी।

झुंझुनू पुलिस की सतर्कता आई फिर सामने - नेहरू मार्केट में बिछड़ी 4 साल की मासूम को माँ से मिलाया

अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/झुंझुनूं। शहर के सबसे व्यस्ततम बाजार नेहरू मार्केट में शनिवार को एक 4 वर्षीय मासूम बच्ची अपनी माँ से बिछड़ गई। भीड़ भरे बाजार में बच्ची रोते हुए इधर-उधर अपनी माँ को ढूंढ रही थी। स्थानीय दुकानदारों ने मानवता दिखाते हुए बच्ची को संभाला और तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही कालिका टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने बच्ची को प्यार से संभाला, उसका नाम-पता पूछने की कोशिश की और बाजार में ही उसकी मां की तलाश शुरू की। कुछ ही देर में पुलिस ने अथक प्रयास कर बच्ची की माँ को ढूंढ निकाला। माँ अपनी बच्ची के बिछड़ने से बदहवास होकर रो रही थी। जैसे ही माँ ने अपनी बच्ची को देखा, वह रो पड़ी और पुलिस टीम को धन्यवाद देते हुए बच्ची को गले से लगा लिया। बच्ची को सकुशल माँ के हवाले किया गया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद नेहरू मार्केट के व्यापारियों और मौजूद लोगों ने झुंझुनू पुलिस और कालिका टीम की तत्परता और संवेदनशीलता की जमकर सराहना की। झुंझुनू पुलिस का संदेश- भीड़-भाड़ वाले इलाके में बच्चों का विशेष ध्यान रखें।

कांग्रेस पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ द्वारा पापड़ा में वृक्षारोपण

हर एक व्यक्ति अधिक से अधिक पेड़ लगाकर रोज उन में पानी डालने का ले संकल्प

अधिक से अधिक पेड़ लगाकर करें धरती का श्रृंगार ..... राकेश जमालपुरिया

अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। उपखंड क्षेत्र के पापड़ा गांव में शनिवार को कांग्रेस पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के 21 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण का कार्यक्रम कांग्रेस पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश जमालपुरिया के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान संयोजक राकेश जमालपुरिया ने कहा कि हर एक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड लगाकर उनमें रोज पानी डालने का संकल्प लेना चाहिए क्योंकि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर धरती का श्रृंगार करना हम सबके लिए बहुत जरूरी है। कांग्रेसी नेता के के सैनी ने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर धरती को हरा भरा करने का हम सबको संकल्प लेना चाहिए द्य इस दौरान कांग्रेसी नेता के के सैनी मुरारी लाल सैनी, दिनेश, सुरेश, भागीरथमल, नरेश, पायल ,कोमल, गीता देवी, अनिल कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

प्रबंध समिति आदर्श विद्या मंदिर ने पूर्व छात्र एवं एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक महेश्वरी का किया सम्मान

जयपुर। आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय की प्रबंध समिति द्वारा विद्यालय के गौरवशाली पूर्व छात्र एवं सवाई मानसिंह (एसएमएस) मेडिकल कॉलेज, जयपुर के प्रिंसिपल डॉ. दीपक महेश्वरी का विद्यालय परिसर में आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो राजीव सक्सेना और सचिव संजीव भार्गव ने डॉ. महेश्वरी का पुष्पमाला पहनाकर एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया। कोषाध्यक्ष सुनील गर्ग ने कहा कि विद्यालय के पूर्व छात्र का चिकित्सा शिक्षा के सर्वोच्च पदों में से एक पर पहुँचकर समाज एवं राष्ट्र की सेवा करना पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। डॉ. महेश्वरी ने कंप्यूटेक्स ऑडिटोरियम और बालवाडी का अवलोकन किया और प्रसन्नता व्यक्त की। अपने संबोधन में डॉ. दीपक महेश्वरी ने विद्यालय में बिताए छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि आदर्श विद्या मंदिर से प्राप्त संस्कार, अनुशासन और शिक्षा ने उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम एवं ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य राजेंद्र गुप्ता ने डॉ. महेश्वरी के उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या (सी बी एस ई) सुनयना नागपाल और छात्र प्रतिनिधि तुलसी संगतानी भी उपस्थित थे।

'न छात्रों की जीत, न सरकार की हार- आंदोलन की समाप्ति की घोषणा देश की जीत है ' : डॉ अशोक वर्मा

जयपुर। राष्ट्रीय सहयोग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.अशोक वर्मा ने देश हित में छात्रों द्वारा सरकार पर भरोसा कर आंदोलन समाप्त करने की घोषणा का स्वागत करते हुए इसे एक अत्यंत सराहनीय कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इसे किसी पक्ष की जीत या हार के रूप में देखने के बजाय देश और शिक्षा व्यवस्था के व्यापक हित के रूप में देखा जाना चाहिए। डॉ वर्मा ने कहा कि शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की इस्तीफा भी देशहित व छात्रों के हित मे है परन्तु परिक्षा प्रणाली को फुलप्रूफ बनाना सरकार की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होगी। डॉ. वर्मा ने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा, शिक्षा है तो सब कुछ है। शिक्षा के बिना एक विकसित भारत की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा का राजनीतिकरण पूरी तरह बंद होना चाहिए ताकि विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई का एक उपयुक्त और सुरक्षित वातावरण बन सके। उन्होंने आगे कहा कि देश के युवाओं को हमारी सरकारी व्यवस्था पर पूर्ण भरोसा होना चाहिए।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में भीषण जल संकट: कछुए-मछलियाँ तड़प रहे, प्रवासी पक्षी विमुख - दीपक मुदगल

अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा/भरतपुर। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान इन दिनों भीषण जल संकट से जूझ रहा है। पानी की भारी कमी के कारण बेबस और मृत पड़े कछुए और कम पानी में दम तोड़ती मछलियाँ यह हृदयविदारक दृश्य उद्यान प्रशासन, पर्यटकों, पक्षी प्रेमियों और वन्यजीव प्रेमियों को गहरी चिंता में डाल रहा है। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर दीपक मुदगल ने इस त्रासदी को अपने कैमरे में कैद किया है। उनकी तस्वीरों में सूखे तालाबों के किनारे छटपटाते और मृत कछुए तथा जिंदगी की साँसों से जूझती मछलियाँ साफ दिख रही हैं। दीपक मुदगल ने कहा कि पानी न मिलने से उद्यान का पूरा इकोसिस्टम उजड़ रहा है। रोज मछलियाँ मर रही हैं और कछुए सूखी जमीन पर बेबस तड़प रहे हैं। यह सिर्फ वन्यजीवों की मौत नहीं, बल्कि एक पूरे वेटलैंड की चीख है। उन्होंने बताया कि पांचना बाँध से समय पर पानी न पहुँचने के कारण उद्यान के सभी ब्लॉक तेजी से सूख रहे हैं। जल स्तर इतना नीचे गिर गया है कि बचे हुए पानी में ऑक्सीजन की भारी कमी हो गई है, जिससे मछलियाँ बड़े पैमाने पर मर रही हैं। प्रशासन छोटे जलीय जीवों को दूसरे ब्लॉक में शिफ्ट करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन स्थिति गंभीर बनी हुई है। उद्यान को

हर वर्ष लगभग 550 एमसीएफटी पानी की आवश्यकता होती है, जो सामान्यत: जुलाई के दूसरे-तीसरे सप्ताह तक पांचना बाँध से पहुँच जाता है। इस बार निर्धारित पानी नहीं आया। वैकल्पिक रूप से चंबल नदी के पानी से कुछ आपूर्ति की गई, जो आवश्यकता के मुकाबले नगण्य है। इससे जलीय वनस्पति भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पा रही, जो पक्षियों का मुख्य भोजन है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि वर्तमान में पक्षियों का प्रजनन काल चल रहा है। यदि पानी की व्यवस्था में और देरी हुई तो राष्ट्रीय उद्यान को भारी नुकसान होगा तथा आने वाले हजारों पक्षियों का प्रजनन चक्र भी प्रभावित हो जाएगा। उद्यान में पाई जाने वाली लगभग 375 से अधिक पक्षी प्रजातियों पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। दीपक मुदगल ने प्रिंट और सोशल मीडिया से अपील की है कि वे इस संकट से बचने के लिए तत्काल एवं स्थायी समाधान की माँग प्रशासन और सरकार से करने में माध्यम बनें, ताकि इस खूबसूरत दुनिया को बचाया जा सके। उन्होंने माँग की है कि पांचना बाँध से तुरंत पानी छोड़ने की व्यवस्था की जाए । प्रतिवर्ष जून-जुलाई में कम से कम 550 एमसीएफटी पानी समय से छोड़ने का स्थायी प्रावधान सुनिश्चित किया जाए।

उद्यान को पेयजल और सिंचाई से अलग प्राथमिकता देकर स्वतंत्र जल अधिकार दिया जाए ।नए जल स्रोत विकसित किए जाएँ तथा जल संरक्षण की ठोस योजनाएँ लागू की जाएँ इसके साथ ही एक उच्चस्तरीय निगरानी समिति गठित की जाए, जो पानी की उपलब्धता और गुणवत्ता पर निरंतर नजर रखे ।दीपक मुदगल ने कहा कि केवलादेव यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। इसे बचाना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। राज्य सरकार, केंद्र सरकार और प्रशासन से विनम्र अपील है कि अब और देर न करें। समय बहुत कम है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो इस प्रसिद्ध पक्षी स्वर्ग को बचाना कठिन हो जाएगा। इससे जुड़े नेचर गाइड, रिक्शा चालक, होटल व्यवसाय और शहर की आय पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा तथा प्रकृति की यह खूबसूरत दुनिया उजड़ती दिखाई देगी।

लोहागढ़ किले के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों ने किया उद्योगपति भगत सिंह बिरूह को लोहागढ़ का सम्मान

अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा/भरतपुर। भरतपुर स्थित लोहागढ़ किले में भरतपुर की शाही विरासत महल खास पैलेस का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से श्री ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष कौशलेश शर्मा के नेतृत्व में सामाजिक कार्यकर्ता एवं उद्यमी शिरोमणि भगत सिंह बिरूह को लोहागढ़ का साफा, माला पहना कर एवं श्री बांके बिहारी जी का प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत-सम्मान किया गया, साथ ही इस अवसर पर इनकी माताजी कृष्णा देवी का भी शॉल, दुपट्टा पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया ।कार्यक्रम में सभी अतिथियों को प्रसादी खिलाई गई । इस अवसर पर श्री ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी कौशलेश शर्मा ने बताया कि विरासत और आधुनिकता के प्रतीक एवं लोहागढ़ ग्रुप ऑफ़ कंपनीज के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक (सीएमडी) भगत सिंह लोहागढ़ भरतपुर की माटी के लाल, व्यावसायिक जगत की शान हैं । राजस्थान के भरतपुर (लोहागढ़ दुर्ग की ऐतिहासिक भूमि) से ताल्लुक रखने वाले और जयपुर में लोहागढ़ फोर्ट रिज़ॉर्ट जैसे बड़े आतिथ्य व पर्यटन उद्योगों को स्थापित करने वाले भगत सिंह का लोहागढ़ का लोहागढ़ किले का विकास कराने में विशेष योगदान रहा है इसके साथ साथ उनके सामाजिक कार्यों, भाईचारे की पहल और लोहागढ़ विरासत को बढ़ावा देने में भी इनका

विशेष योगदान है । उन्हें लोहागढ़ के रत्न एवं अग्रणी उद्यमी के रूप में जाना जाता है। भगतसिंह लोहागढ़ ने भी हमेशा कॉर्पोरेट जिम्मेदारियों के अलावा, सामाजिक परोपकार और सामुदायिक विकास की पहल में सक्रिय रूप से योगदान देने का भरोसा दिलाते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भगतसिंह लोहागढ़ को उनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की शुभकामनाएं दी ।कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर श्री ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी कौशलेश शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश चंद मुद्गल, समता आंदोलन के जिलाध्यक्ष केदारनाथ पाराशर, विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष सुशील पाराशर, गायत्री परिवार के ट्रस्टी डॉ.गिरीश शर्मा, समता आंदोलन सहसचिव अशोक सारस, टैक्नोलॉजी पार्क के डायरेक्टर आलोक शर्मा, रिटायर्ड अतिरिक्त निदेशक डीओआईटी कमल किशोर शर्मा, अन्नपूर्णा रसोई संचालक विष्णु शर्मा, सर्व मित्र मंडल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद शर्मा, गायत्री परिवार के पूर्व प्रबंध ट्रस्टी एवं सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र चामड़, रिटायर्ड अमीन रामेश्वर शर्मा, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता पंडित बनवारी लाल शर्मा, रिटायर्ड सहायक अभियंता देवकीनंदन शर्मा, रिटायर्ड अध्यापक राजेंद्र पंच, ठेकेदार कामेश्वर शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र मोहन तिवारी, ब्राह्मण समाज भरतपुर के अध्यक्ष हरीश पाठक, रिटायर्ड प्रिंसीपल सत्यदेव शर्मा एवं इंजीनियर पीयूष टाइगर मौजूद रहे ।

कोटा मंडल में रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण की पहल

मंडल चिकित्सा विभाग द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित, जुलाई में 206 कर्मचारियों की हुई जांच

अतुल्य संसार नेटवर्क

कोटा। रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण तथा बीमारियों की समय पर पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में मंडल चिकित्सा विभाग द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक श्रीमती सुपर्णा सेन रॉय के निर्देशन में आयोजित इन शिविरों में कर्मचारियों की नियमित स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक चिकित्सीय परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि शिविरों में कर्मचारियों का वजन, रक्तचाप, रक्त शर्करा, ईसीजी सहित अन्य आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण किए जा रहे हैं। इन जांचों का उद्देश्य संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित करना है, जिससे कर्मचारी स्वस्थ रहकर अपनी सेवाएं अधिक दक्षता के साथ दे सकें। उन्होंने बताया कि महिदपुर रोड स्टेशन पर आयोजित शिविर में 41 कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। भवानी मंडी स्टेशन पर आयोजित शिविर में 34 कर्मचारियों की जांच की गई, जिनमें रेलवे सुरक्षा बल के 10 कर्मी शामिल थे। अकलेरा एवं झालावाड़ सिटी स्टेशन पर आयोजित संयुक्त शिविर में कुल 41 कर्मचारियों की जांच की गई, जिनमें 13 रेलवे सुरक्षा बल कर्मी तथा 28 अन्य कर्मचारी शामिल रहे। इसी क्रम में रामगंज मंडी स्टेशन पर आयोजित शिविर में 90 कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जुलाई माह में आयोजित इन चारों स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों के माध्यम से कुल 206 रेल कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया।

विद्यालय में विद्यार्थी बनेंगे लोकतंत्र के प्रहरी

अतुल्य संसार नेटवर्क

बारां। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) बालमुकुंद असावा एवं सीइओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में केलवाड़ा स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में स्वीप कार्यक्रम का आयोजन हुआ ।कार्यक्रम के दौरान ईएलसी का पुनर्गठन किया गया,स्वीप प्रभारी अमित भार्गव ने नवगठित कार्यकारिणी को लोकतंत्र सशक्तिकरण एवं मतदाता जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने की शपथ दिलाकर कहां की विद्यार्थी देश के लोकतंत्र के सच्चे प्रहरी होते हैं,वह स्वयं संविधान,कानूनी अधिकारों और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझते हैं तथा विभिन्न मंचों के माध्यम से अपने साथियों और समाज को उनके मौलिक अधिकारों, सरकारी नीतियों और मतदान के प्रति जागरूक करते हैं।

विद्यार्थियों ने सिखा ऑनलाइन पंजीयन का तरीका

प्रभारी भार्गव ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा 17 प्लस के युवाओं को मतदाता सूची में अपना

पंजीकरण करवाने की सुविधा दी है, उन्होंने भावी मतदाताओं को ईसीआई नेट ऐप द्वारा मतदाता सूची में ऑनलाइन प्रक्रिया से पंजीयन करने की जानकारी दी गयी,वही ईपिक नंबर या ईपिक पर दिए गए बार व क्यूआर कोड या अपने मोबाइल नंबर की सहायता से मतदाता सूची में अपना नाम तथा अपने मतदान केंद्र का पता करने की प्रक्रिया समझाई।

निर्वाचन की चलचित्र का हुआ प्रदर्शन

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को निर्वाचन संबंधी जानकारी देने के उद्देश्य से तैयार की गई लोकसभा चुनाव 2019 फिल्म भी दिखाई गई ।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भावी मतदाताओं में लोकतांत्रिक मूल्यों,नागरिक कर्तव्यों और चुनावी प्रक्रिया के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा।

जागरूकता के लिए बनाई मानव श्रृंखला

इस दौरान विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। ईएलसी प्रभारी हरिओम राठौर ने बताया कि ईएलसी की कार्यकारिणी में महिमा राठौर को अध्यक्ष तथा संजना मेहता को उपाध्यक्ष सहित 18 विद्यार्थियों का सक्रिय सदस्य के रूप में चयन किया गया,कार्यक्रम में कार्यवाहक प्रधानाचार्य मनीष कुमार नागर,सहायक प्रभारी ईएलसी भगवान सिंह,स्वीप सदस्य रामचरण मीणा,स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर जयपुर में छात्रों का जश्न

जयपुर/जोधपुर/कोटा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में जयपुर के शहीद स्मारक पर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स जुटे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद छात्रों ने जश्न मनाया। बड़ी संख्या में छात्रों ने नाच-गाकर अपनी खुशी का इजहार किया। कांग्रेस ने प्रदेश में जगह-जगह विजय मार्च निकाला। छात्रों का कहना था कि जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाएगा, तब तक यह धरना जारी रहेगा। हालांकि 4 बजे बाद छात्र धरना खत्म कर चले गए। छात्र परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और पेपर लीक के मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे। बता दें कि नीट समेत प्रदेश की अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक के विरोध में छात्रों और युवाओं में गुस्सा था। राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर छात्र नेता शुभम रेवाड़ भी 3 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे थे।

सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की थी

राजधानी में बढ़ते विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर राज्य सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और डीजीपी राजीव शर्मा ने सभी जिला कलेक्टर्स और एसपी को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए थे। अधिकारियों को सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखने, प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखने और किसी भी संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति से तत्काल निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम करने को कहा गया था।

संभावित प्रदर्शन स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस लगाई थी

पुलिस प्रशासन ने भी राजधानी के संवेदनशील इलाकों, राजस्थान यूनिवर्सिटी, जवाहर सर्किल और अन्य संभावित प्रदर्शन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी थी। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि प्रदर्शन के दौरान शांति व्यवस्था बनी रहे और किसी भी अप्रिय स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। हालांकि आंदोलन खत्म होने के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

जूली बोले- जनता बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकेगी

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कहा- धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा देश में सबसे पहले राहुल गांधी ने मांगा था। राहुल गांधी की यह माग पूरे देश की आवाज बन गई, जिसके बाद इसने एक बड़े जन आंदोलन का रूप ले लिया। इसी दबाव के चलते आखिरकार मजबूरी में 12 साल बाद मोदी सरकार को अपने एक मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा है। यही वजह है कि आज हमारा जो पैदल मार्च है, वह अब विजय मार्च में बदल चुका है। आने वाले वक़्त में देश की जनता भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकेगी।

जूली बोले- बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकेगी जनता

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफे पर कहा- धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा देश में सबसे पहले राहुल गांधी ने मांगा था। राहुल गांधी की यह मांग पूरे देश की आवाज बन गई, जिसके बाद इसने एक बड़े जन आंदोलन का रूप ले लिया। इसी दबाव के चलते आखिरकार मजबूरी में 12 साल बाद मोदी सरकार को अपने एक मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा है। यही वजह है कि आज हमारा जो पैदल मार्च है, वह अब विजय मार्च में बदल चुका है।

चंबल के चार बांध 32 प्रतिशत खाली

पिछले साल कोटा बैराज की केपेसिटी का 7 गुना पानी चंबल में छोडा था; रबी फसलों को लेकर चिंता बढ़ी

कोटा। हाडौती संभाग में इस साल पिछले साल की तुलना में मानसून की रफ्तार काफी धीमी है। हालात ये हैं कि अभी भी चंबल के 4 बडे बांध 32% खाली हैं। इन चारों बांधों- गांधी सागर, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर और कोटा बैराज की कुल क्षमता 10248.97 मिलियन क्यूबिक मीटर है। 24 जुलाई सुबह 8 बजे तक चारों बांधों में 6926.403 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी भरा है। मध्यप्रदेश और चंबल नदी के कैचमेंट एरिया में बारिश कम होने से बांधों में पानी की आवक नहीं हो रही है, जिससे रबी सीजन की फसलों को लेकर चिंता बढ़ गई है। इन बांधों में 67.58% पानी है। 32.42 % खाली हैं। इन्ही बांधों का पानी दाईं व बाईं मुख्य नहर में छोडा जाता है। रबी के सीजन में मध्यप्रदेश और राजस्थान की 4.58 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होती है। पिछले साल अच्छी बारिश होने से कोटा बैराज की केपेसिटी का 7 गुना पानी चंबल नदी में छोडा जाता है जो व्यर्थ ही चला जाता है।

रबी फसलों की चिंता सताने लगी

हर साल अक्टूबर से रबी के सीजन में नहरों में पानी छोडा जाता है। विभाग से मिले आंकडों के अनुसार हर साल रबी की फसलों के लिए सीजन में 150 से 160 दिन नहरें चलती हैं। राजस्थान व मध्यप्रदेश के 4.58 लाख हेक्टेयर की सिंचाई के लिए औसत 2000 से 2600 पानी की जरूरत पडती है।

दावा- हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब की रिफाइनरी पर हमला

3 बैलिस्टिक मिसाइलों से अरामको को निशाना बनाया, यह देश की 5वीं सबसे बड़ी ऑयल फैसिलिटी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने शनिवार को सऊदी अरब के जजान स्थित सऊदी अरामको

रिफाइनरी पर 3 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। जजान रिफाइनरी को सऊदी अरब की पांचवीं सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी माना जाता है। इसकी क्षमता प्रतिदिन करीब 4 लाख बैरल कच्चे तेल को प्रोसेस करने की है। यह लाल सागर के किनारे स्थित होने के कारण सऊदी अरब के ऊर्जा और तेल निर्यात नेटवर्क का अहम हिस्सा है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब सऊदी अरब ने हाल ही में यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। इसके जवाब में हूतियों ने सऊदी के एनर्जी एन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने का दावा किया है। हमले के बाद सोशल मीडिया पर रिफाइनरी से आग और धुएं के वीडियो सामने आए हैं। हालांकि, अभी तक सऊदी सरकार या अरामको ने रिफाइनरी पर सीधे मिसाइल लगने या किसी बड़े नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बाडमेर में तेज बारिश, घरों में पानी घुसा:जोधपुर में नए टर्मिनल में टपकने लगा पानी, अजमेर में गाडियों पर गिरी मकान की दीवार

जयपुर। राजस्थान में शनिवार (25 जुलाई) सुबह अजमेर में बारिश के कारण एक घर की दीवार गिरने से कई गाडियां दब गईं।बाडमेर जिले के सेडवा और चौहटन तहसील के कई गांवों में जलभराव हुआ है। जोधपुर और उदयपुर में आज सुबह भी बरसात हुई। जोधपुर में नए टर्मिनल के पोर्च में एक पिलर से पानी टपकने लगा। 4 जुलाई को पीएम नरेंद्र मोदी ने इस एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। नया एयरपोर्ट 480 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया था। 28 जुलाई से एक बार फिर मानसून का दौर थोड़ा कमजोर पड़ सकता है। इस साल मानसून की लेट एंट्री और बीच में लंबे ब्रेक के कारण 12 जिलों में सूखे के हालात हैं। केवल 5 जिले ऐसे हैं, जहां औसत से अधिक पानी बरसा है। शुक्रवार को सिरोही के माउंट आबू में करीब 8 इंच (195 मिलीमीटर) पानी बरसा। जोधपुर में मूसलाधार बारिश हुई। राज्य में 27 जुलाई तक मानसून सक्रिय (एक्टिव) रहने की संभावना है।

मानसून के बडे अपडेट्स

कहां कितनी हुई बारिश: जोधपुर के बापिणी में 81, श्रीगंगानगर के करणपुर में 66, राजसमंद के गढ़बोर में 47, कुंभलगढ़ में 28, पाली के जवाई में 97, देसूरी में 38, पाली शहर में 27, अजमेर के जवाजा में 52, सरवाड़ में 50, बाड़मेर के कल्याणपुर में 57 और बालोतरा में 56 मिलीमीटर बरसात दर्ज की गई। **40 से ज्यादा बांधों में आया पानी, 2 बांध फुल:** राजस्थान में इस बार मानसून देरी से आया और शुरुआती 20 दिनों में से करीब 10 दिन कमजोर दौर (फेज) में रहा। लेकिन पिछले तीन-चार दिनों से हो रही अच्छी बारिश के बाद बांधों में पानी की आवक तेजी से शुरू हो गई है। 2 जुलाई से अब तक राज्य के 40 से ज्यादा ऐसे बांध जो पूरी तरह सूखे थे, उनमें पानी आ गया है। वहीं, दौसा का मोरेल बांध और टोंक का मानसागर बांध फुल हो गए हैं। **अतिभारी बारिश का अलर्ट:** मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि उदयपुर और जोधपुर संभाग के कुछ भागों में अगले 2 दिन मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा। कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, बीकानेर, अजमेर, कोटा, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में भी मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। **12 जिलों में सूखे के हालात:** इस साल मानसून की एंट्री ही कमजोर रही। दो हफ्ते सुस्त रहने के बाद मानसून सक्रिय हुआ, लेकिन प्रदेश के सिर्फ ब्यावर, बीकानेर, डीडवाना-कुचामन, फलोदी, सलूम्बर जिलों में ही औसत से अधिक बरसात हुई है।

3,000 लीटर डीज़ल की बचत, उत्सर्जन केवल जलवाष्प का—भारत की हाइड्रोजन ट्रेन ने रचा नया इतिहास

1,200 किलोमीटर से अधिक का सफल परिचालन, स्वदेशी तकनीक से स्वच्छ और शून्य-उत्सर्जन रेल परिवहन की दिशा में ऐतिहासिक कदम

● अतुल्य संसार नेटवर्क

कोटा। भारत ने स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल रेल परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन का सफल परिचालन प्रारंभ कर दिया है। 17 जुलाई 2026 को दिल्ली क्षेत्र के जींद-सोनीपत रेलखंड पर हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई यह ट्रेन अब तक 1,200 किलोमीटर से अधिक की सफल यात्रा पूरी कर चुकी है। इस दौरान 3,200 लीटर से अधिक डीज़ल की बचत हुई है, जिससे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय योगदान मिला है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित यह ट्रेन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक अभिक्रिया से अपने भीतर ही विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करती है। इसी ऊर्जा से ट्रेन संचालित होती है, जबकि उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प (वॉटर वेपर) का उत्सर्जन होता है। इस प्रक्रिया में न धुआँ निकलता है और न ही कार्बन उत्सर्जन होता है, जिससे यह वर्तमान समय की सबसे स्वच्छ रेल प्रणोदन (रेल प्रोपल्शन) तकनीकों में शामिल हो गई है। भारतीय रेल के नेतृत्व में विकसित यह पूर्णत: स्वदेशी परियोजना 'मेक इन इंडिया' अभियान की एक बड़ी उपलब्धि है। 10 कोच वाली इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार लगाई गई हैं, जो संयुक्त रूप से 2,400 किलोवाट की शक्ति प्रदान करती हैं। ट्रेन में लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों के साथ उच्च क्षमता वाले हाइड्रोजन सिलेंडर भी लगाए गए हैं, जो इसकी ऊर्जा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय एवं दक्ष बनाते हैं।

परियोजना के अंतर्गत जींद में भारतीय रेल की पहली समर्पित हाइड्रोजन भंडारण एवं ईंधन भरने की सुविधा भी स्थापित की गई है। इस केंद्र पर 500 बार तक के दाब पर ग्रीन हाइड्रोजन का भंडारण तथा 350 बार के दाब पर ट्रेन में ईंधन भरने की व्यवस्था उपलब्ध है। इसकी कुल भंडारण क्षमता लगभग 3,000 किलोग्राम है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से ट्रेन में अत्याधुनिक बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं। ये प्रणालियाँ हाइड्रोजन रिसाव, अत्यधिक तापमान, आग एवं धुएँ का स्वत: पता लगाने में सक्षम हैं। इसके साथ ही स्वचालित शट-ऑफ सिस्टम, निरंतर वेंटिलेशन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का अनुपालन तथा सभी आवश्यक परीक्षण एवं सत्यापन भी सुनिश्चित किए गए हैं। जींद-सोनीपत रेलखंड पर सफल परिचालन के बाद शीघ्र ही इस ट्रेन का परीक्षण दिल्ली मार्ग पर भी प्रारंभ किया जाएगा। भारत की यह हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि देश में स्वदेशी हाइड्रोजन रेल इकोसिस्टम के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह परियोजना सतत, स्वच्छ एवं शून्य-उत्सर्जन रेल परिवहन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रदर्शित करती है तथा भविष्य में हरित परिवहन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की मजबूत आधारशिला भी रखती है।

मोदी सरकार ने देश में शिक्षा संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में किया महत्वपूर्ण कार्य— मदन राठौड़

शिक्षा मंत्रालय केंद्रीय तथा नवोदय विद्यालयों की संख्या में तेजी से कर रहा है बढ़ोतरी, राजस्थान में 85 केवी तथा 36 नवोदय विद्यालय संचालित— मदन राठौड़ , राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सदन को दी जानकारी

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय देश में केंद्रीय विद्यालयों, जवाहर नवोदय विद्यालयों के साथ केंद्रीय विश्वविद्यालयों की संख्या में तेजी से विस्तार कर रहा है। गत तीन वर्षों में ही राजस्थान में 12 नए केंद्रीय विद्यालय स्वीकृत करने की घोषणा की गई है। वर्तमान में राजस्थान में 85 केंद्रीय तथा 36 जवाहर नवोदय विद्यालय संचालित किए जा रहे है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में केंद्रीय विद्यालयों के लिए 10129 करोड़ तथा नवादय विद्यालयों के लिए 6025 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने सदन को यह जानकारी दी। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार ने दिसंबर 2024 में स्वीकृत 85 नए केंद्रीय विद्यालयों में राजस्थान को 9 केंद्रीय विद्यालय स्वीकृत किए, इनमें से 7

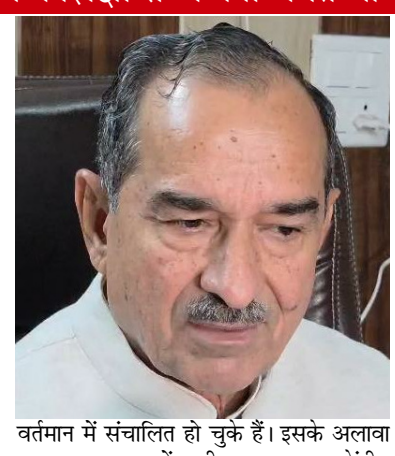

वर्तमान में संचालित हो चुके हैं। इसके अलावा अक्टूबर 2025 में स्वीकृत 57 नए केंद्रीय विद्यालयों में राजस्थान के 2 विद्यालय घोषित किए, इनमें से 1 संचालित हो चुका है। वहीं जून 2026 में स्वीकृत 5 नए जवाहर नवोदय विद्यालयों में राजस्थान को 1 अतिरिक्त नवोदय विद्यालय मिला है। केंद्र की मोदी सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए राजस्थान को 164 इकाइयों के लिए 950.41 करोड़ रुपए का केंद्रीय अंश आवंटित किया है। इसमें पीएम उषा के तहत 333.30 करोड़ की राशि के लिए 34 इकाइयां भी शामिल है। इस योजना के माध्यम से विद्यालयों में आईसीटी लैब, विज्ञान प्रयोगशालाएं, डिजिटल पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएं, एलईडी लाइटिंग सहित आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण निवेश किया है। उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता, शोध एवं आधुनिक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों के स्थायी भवनों का निर्माण भूमि उपलब्धता, आवश्यक स्वीकृतियों तथा निर्माण प्रक्रिया के अनुसार चरणबद्ध रूप से किया जा रहा है। केंद्र सरकार की इन पहलों से राजस्थान में विद्यालयी एवं उच्च शिक्षा की आधारभूत संरचना को नई मजबूती मिलेगी तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों को गति प्रदान होगी।

कारगिल विजय दिवस पर विद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

जयपुर। कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में एमपीएस इंटरनेशनल में देशभक्ति एवं वीर सैनिकों के सम्मान में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मिट्टी के बेटे विषय पर नाटक प्रस्तुत कर उपस्थित सभी जनों को भावविभोर कर दिया। साथ ही तुमको शत-शत नमन देशभक्ति गीत और खूब लड़ी मर्दानी, वह तो झाँसी वाली रानी थी कविता के ओजपूर्ण पाठ ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए स्लोगन लेखन गतिविधि का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने देशभक्ति एवं शहीदों के सम्मान से जुड़े प्रेरणादायक स्लोगन लिखे। विद्यालय सचिव राधामोहन कचोलिया एवं भवन मंत्री गोविंद मालपानी ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विद्यार्थियों को उनके साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजू शर्मा तथा उप-प्रधानाचार्य एस.बी. चौधरी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने वीर सैनिकों के बलिदान को सदैव स्मरण रखना चाहिए तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना चाहिए।

04 वर्षीय मासूम रिहान को मिली जन्मजात हृदय रोग से मुक्ति

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बना वरदान

जयपुर द्वितीय। चिकित्सा विभाग का राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बालक रिहान के लिए वरदान सिद्ध हुआ है। पैदाईश हृदयरोग से जूझ रहे रिहान को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रयासों की वजह से नया जीवन मिला है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहा 04 वर्षीय मासूम रिहान जन्म के बाद से ही बीमार रहने लगा था। उसे साँस लेने में दिक्कत रहती थी। थोडा सा दौडने पर हाँफने लगता था। रिहान दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा था। साम्भर के ग्राम मंडा भीमसिंह निवासी पिता संजय कुमावत ने उसे लेकर

अस्पतालों के चक्कर लगाए पर बात नहीं बनी। गत 13 अक्टूबर, 2025 को जब राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम सांभर की मोबाईल हैल्थ टीम बी आंगनबाडी मंडा भीमसिंह में बच्चों की स्क्रीनिंग के लिए आई तो वहां उन्हें परीक्षण के दौरान रिहान के हृदय की बीमारी के विषय में पता लगा। मोबाईल हैल्थ टीम के डॉ. कमल शर्मा, एएनएम मीनाक्षी चौधरी, गरिमा वर्मा, फार्मासिस्ट श्री राजेश कुमार यादव ने उसे मानसरोवर स्थित मंगलम मेडिसिटी अस्पताल में रैफर कर दिया। रिहान के अभिभावकों को टीम ने हिम्मत बंधाई और समस्त ईलाज नि:शुल्क होने के विषय में बताया। रिहान को गत 06 जुलाई को मंगलम मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। आवश्यक परीक्षण के बाद 08 जुलाई को डॉ. विनोद गुप्ता व उनकी टीम ने बालक रिहान का ऑपरेशन किया। ऑपरेशन सफल रहा और रिहान को जन्मजात हृदय रोग की तकलीफ से मुक्ति मिल गई। चिकित्सकों की देखरेख में रहने के बाद उसे गत 14 जुलाई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

आज रिहान बिना किसी तकलीफ के सामान्य बच्चों की तरह अपना जीवन बिता रहा है। रिहान के पिता संजय कुमावत और माता करिश्मा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, चिकित्सकों और राज्य सरकार के प्रति कृतज्ञ है, जिनके प्रयासों की वजह से शिवांश का ऑपरेशन नि:शुल्क हुआ और उसे एक गंभीर रोग से मुक्ति मिल गई। इसमे सीएमएचओ डॉ. मनीष मित्तल, बीसीएमओ (सांभर) डॉ. राज चौधरी, एडीएनओ डॉ. दिलीप शर्मा, आरबीएसके मोबाईल हैल्थ टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

खेती की जमीन पर कमर्शियल गतिविधियां तुरंत रोकें:बिना लैंड यूज परिवर्तन नया निर्माण और व्यवसाय प्रतिबंधित; जेडिए ट्रिब्यूनल का आदेश

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ट्रिब्यूनल ने कृषि भूमि के व्यावसायिक उपयोग पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि लैंड यूज परिवर्तन (चेंज ऑफ लैंड यूज) की स्वीकृति के बिना किसी भी प्रकार का नया निर्माण या व्यावसायिक गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। ट्रिब्यूनल ने संबंधित अधिकारियों को ऐसे मामलों में नियमों का कड़ाई से पालन कराने और अवैध निर्माण व कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, जयपुर में कृषि भूमि पर बिना अनुमति व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने के मामलों में सख्ती के बीच जेडीए के अपीलीय अधिकरण (ट्रिब्यूनल) ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है। ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया है कि संबंधित पक्ष फिलहाल किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि संचालित नहीं करेंगे। अगर उनके पास व्यावसायिक उपयोग की वैध अनुमति, स्वीकृति या अन्य संबंधित दस्तावेज हैं, तो उन्हें 15 दिनों के अंदर सक्षम प्राधिकारी के सामने प्रस्तुत करना होगा। इसके साथ ही

ट्रिब्यूनल ने जेडीए को भी निर्देश दिए हैं कि मामले में अंतिम निर्णय होने तक विवादित निर्माण के खिलाफ किसी प्रकार की कठोर कार्रवाई नहीं की जाए। यानी न तो निर्माण को सील किया जाएगा, न ध्वस्त किया जाएगा और न ही उसे किसी प्रकार का नुकसान पहुंचाया जाएगा।

खेती की जमीन पर व्यावसायिक गतिविधियां नियमों का उल्लंघन

बता दें कि सांगानेर तहसील के चिमनपुरा गांव स्थित खसरा नंबर 149 और 151 से जुड़ा हुआ है। जेडीए ने 13 जुलाई को जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1982 की धारा-32 के तहत नोटिस जारी किया था। नोटिस में आरोप लगाया गया कि कृषि भूमि पर बिना किसी वैध अनुमति के करीब 15म35 फीट क्षेत्र में फिजियोथेरेपी क्लीनिक संचालित किया जा रहा है। जेडीए के अनुसार, यह भूमि कृषि उपयोग के लिए दर्ज है और उस पर व्यावसायिक गतिविधियां नियमों का उल्लंघन हैं।

विधायक बोले-बारिश की एक बूंद गिरते ही बिजली काट रहे

गर्ग ने कहा-अफसरों की लापरवाही का ठीकरा सरकार पर नहीं फोड़े; पानी चोरी करने पर होगी एफआईआर

जालोर। जालोर कलेक्ट्रेट के सभागार में शनिवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। बैठक की अध्यक्षता जालोर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी ने कीं। इस दौरान भीनमाल विधायक डॉ. समरजीत सिंह ने जिले में बिजली व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जालोर में बारिश की एक बूंद गिरते ही बिजली काट दी जाती है और कई घंटों तक आपूर्ति बहाल नहीं होती। डिस्कॉम अधिकारी फोन तक नहीं उठाते और ठेका कर्मचारियों द्वारा भी आमजन की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जाता। इस पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने डिस्कॉम के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर (एसई) निमेंद्र राज सिंह को निर्देश दिए।

इन 5 वजहों से घबराई सरकार, तब हुआ

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

नहीं झुकते तो क्या हो जाता, आखिरकार आंदोलन खत्म

नई दिल्ली। शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आखिरकार इस्तीफा दे ही दिया। जंतर-मंतर पर 35 दिन से कॉकरोच जनता पार्टी का अनशन, पीएम आवास के बाहर राहुल गांधी का धरना, संसद में रोज गूंजता हंगामा और देश-दुनिया के कई शहरों में हो रहे प्रदर्शन से सरकार दबाव में थी। 12 साल की सरकार में दूसरा मौका है, जब ऐसे प्रदर्शन के सामने झुकना पड़ा है। इससे पहले 2021 में सवा साल चले किसान आंदोलन के बाद सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। 20 जून को कॉकरोच जनता पार्टी, सीजेपी ने जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट शुरू किया। 8 दिन बाद सोनम वांगुचक भूख-हड़ताल पर बैठे। प्रोटेस्ट में असली मोड़ आया 18 जुलाई को, जब दिल्ली पुलिस ने सफेद चादरों में लपेटकर सोनम को उठा लिया। सहानुभूति में प्रोटेस्ट साइट पर भीड़ बढ़ने लगी। 20 जुलाई को संसद मार्च में सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज किया। उसके वीडियो वायरल हुए, तो पूरे देश में आक्रोश बढ़ गया। न्यूयॉर्क टाइम्स जैसी इंटरनेशनल मीडिया ने लिखा, खून बहा, लाठियां चलीं, आंसू गैस के गोले दागे गए, लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे नहीं हटे। 21 जुलाई को राहुल गांधी अचानक पीएम आवास के बाहर धरना पर बैठ गए। अलग-अलग शहरों और दुनियाभर में प्रदर्शन होने लगे। ब्रिटेन, जर्मनी, नीदरलैंड्स, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय छात्र भी धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने लगे थे। लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर 1000 से ज्यादा छात्र जमा हो गए थे। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा- अब ये प्रोटेस्ट कॉकरोच जनता पार्टी के दायरे से बाहर चला गया है। देशव्यापी आंदोलन की धमकी दी थी। सरकार ने 24 घंटे का समय मांगा था, साढ़े तीन बजे कॉकरोच पार्टी से मुलाकात का समय था, लेकिन इससे पहले ही धर्मेंद्र ने इस्तीफा दे दिया।

1. जंतर-मंतर पर कॉकरोच पार्टी का प्रोटेस्ट: कॉकरोच जनता पार्टी 35 दिनों से जंतर-मंतर पर अनशन कर रही थी। 20-30 हजार युवा हर वक्त वहां मौजूद थे। 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान 'पुलिस एक्शन' के बाद भीड़ और बढ़ने लगी।

2. राहुल गांधी की अगुवाई में आक्रामक विपक्ष: 21 जुलाई को राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव सहित कई विपक्षी नेता पीएम आवास के पास धरने पर बैठे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह मनाने पहुंचे ,तो राहुल ने कहा कि जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं होता, तब तक कोई चर्चा नहीं होगी। राहुल पीएम मोदी के माफीनामे पर भी अड़ गए। इसके बाद रोजाना राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। पूरा विपक्ष इस मामले में एकट्ठा रहा। एक हफ्ते से संसद नहीं चलने दी।

3. पार्टी के भीतर नेताओं और सेलिब्रिटीज की उठती आवाजें: बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी ने भी छात्रों की मांगों और चिंता का समर्थन किया। क्रिकेटर्स, बॉलीवुड सेलिब्रिटी, साउथ फिल्मों के स्टार्स, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर भी युवाओं के विरोध प्रदर्शन से जुड़ने लगे थे। पेपर लीक को गंभीर मुद्दा बता रहे थे। 23 जुलाई को मुरली मनोहर जोशी ने सोशल मीडिया पोस्ट किया- देश के विभिन्न हिस्सों से आए युवा छात्रों को कई दिनों से नई दिल्ली की सड़कों पर इकट्ठा देखना दुखद है। युवा लड़कियों के साथ भी बर्बर दुर्व्यवहार देखना बेहद दुखद है।

24 जुलाई को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, नई पीढ़ी सवाल पूछती है। हमें उन्हें तर्क समझाना होगा। हमें उन्हें बहुत स्नेह देना होगा। हमें उनके साथ समय बिताना होगा। हमें उनसे संवाद करना होगा। हालांकि भागवत ने सीधे तौर पर प्रदर्शन पर कुछ नहीं कहा। अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस ने बीजेपी सूत्रों के हवाले से लिखा, 'राहुल गांधी ने पीएम मोदी के आवास के बाहर अचानक धरना देकर सत्ताधारी खेमे को चौंका दिया और उसे बैकफुट पर धकेल दिया। बीजेपी और एनडीए सहयोगी दलों के सांसदों ने 20 जुलाई की घटना से पैदा हुई निगेटिव इमेज पर नाराजगी जाहिर की।' एक बीजेपी सांसद ने कहा, इस मामले को बेहतर तरीके से सुलझाया जा सकता था। इसे इस स्तर तक क्यों पहुंचने दिया गया? हमारे पास हर तरह की मशीनरी थी, फिर भी हमसे मिस-मैनेज हुआ। अंग्रेजी अखबार द हिंदू से एनडीए के सीनियर सांसद ने बताया, दुर्भाग्यवश, स्थिति को बिल्कुल भी ठीक से नहीं संभाला गया। इससे भी ज्यादा परेशानी की बात है कि सोनम वांगचुक के अस्पताल में भर्ती होने के बाद प्रोटेस्ट लीडरलेस लग रहा है। भारत में आधी आबादी 29 साल से कम उम्र की है। करीब एक-चौथाई वोटर्स भी युवा हैं। CSDS-लोकनीति के मुताबिक, 2014, 2019 और 2024 में बीजेपी को एक-तिहाई से ज्यादा युवा वोटर्स ने वोट दिया। लेकिन कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन, शिक्षा और बेरोजगारी को लेकर युवाओं में सरकार को लेकर नाराजगी भी पैदा हो रही थी।

पॉलिटिकल रिसर्च एजेंसी 'VoteVibe' ने CJP और उसके प्रोटेस्ट को लेकर सर्वे किया, जिसके मुताबिक, 87त्न लोग CJP को जानते हैं और एक-तिहाई लोग प्रदर्शन का समर्थन करते हैं। 41.4% लोगों का मानना है कि इस प्रदर्शन से बीजेपी और NDA सहयोगियों को नुकसान होगा। ऐसे में अगर सरकार धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं लेती और प्रदर्शन लंबे वक्त तक चलता तो बीजेपी और उसके सहयोगियों को चुनावी नुकसान उठाना पड़ता और जमीनी स्तर पर नाराजगी बढ़ती। उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड की विधानसभाओं का कार्यकाल 2027 में खत्म हो रहा है। यहां फरवरी-मार्च 2027 में चुनाव हो सकते हैं। नीट पेपर लीक का मुद्दा और प्रोटेस्ट लंबा खिंचने का असर चुनाव के लिहाज से बीजेपी के लिए जोखिम भरा हो सकता है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और पंजाब में आम आदमी पार्टी मजबूत स्थिति में है। उत्तराखंड में कांग्रेस 10 साल से सत्ता से बाहर है। ये पार्टियां पेपर लीक और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर खुलकर सामने आई हैं। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में सपा कार्यकर्ताओं ने अपने प्रोटेस्ट भी ऑर्गनाइज किए। सीनियर जर्नलिस्ट अरुण दीक्षित के मुताबिक, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा न होता, तो पार्टियां इसे बीजेपी के खिलाफ बड़ा चुनावी मुद्दा बना सकती थीं। राजधानी से लगे इन तीनों राज्यों के युवा भारी तादाद में दिल्ली में रहते हैं। दिल्ली प्रोटेस्ट का असर इन राज्यों में भी बढ़ सकता था। इससे निश्चित तौर पर बीजेपी को नुकसान होता। 2029 में लोकसभा चुनाव होना है। यह आंदोलन जिस हिसाब से बढ़ रहा था, इसकी 1974 के जेपी आंदोलन और तुलना 2011 के अन्ना आंदोलन से होने लगी थी। दोनों आंदोलनों के बाद देश की सरकार बदल गई थी। 20 जुलाई के प्रदर्शन के बाद राहुल गांधी युवाओं के विरोध में शामिल हो गए थे। कांग्रेस हर तरफ से सरकार को घेरने की कोशिश कर रही थी। पीएम आवास के बाहर भी धरना हुआ। अगर कांग्रेस इस मुद्दे को भुना लेती, तो बीजेपी को 2029 में सत्ता गवाने का खतरा हो सकता था।

क्या अब आंदोलन खत्म हो जाएगा?

25 जुलाई को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री डॉ. जेपी नड्डा, डॉ. जितेंद्र सिंह और CJP की ओर से सौरव दास, आशुतोष रांका के बीच बातचीत हुई। मीटिंग के बाद चारों ने जॉइन्ट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में नड्डा ने कहा कि हम प्रदर्शनकारियों का मांगें मानने को तैयार हैं। इसके बाद CJP डेलिगेशन की ओर से कहा गया कि हम प्रदर्शन तुरंत खत्म करते हैं।

भागवत बोले- नई पीढ़ी को आदेश न दें, बातचीत करें

हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में कहा, आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर छात्र जंतर-मंतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

पहले माता-पिता की बात ही अंतिम होती थी, लेकिन आज नहीं

मोहन भागवत ने कहा, 'पहले के समय में माता-पिता की बात बिना किसी सवाल के मान ली जाती थी। जब हम छोटे थे, तो माता-पिता जो कहते थे, वही अंतिम होता था।' कोई बहस नहीं होती थी। श्रद्धा थी और प्रतिक्रिया भी नहीं होती थी, लेकिन अब समय बदल गया है। नई पीढ़ी सवाल पूछती है और उन्हें हर बात का तर्क बताना पड़ता है। नई पीढ़ी को बहुत अपनापन देने की जरूरत है, उन्हें समय देने की जरूरत है और सबसे ज्यादा संवाद की जरूरत है। आज डिक्टेशन नहीं, डिस्कशन की जरूरत है। ऑर्डर नहीं, कॉन्शसनेस (जागरूकता) की जरूरत है। आज परिवारों में आपसी बातचीत पहले की तुलना में काफी कम हो गई है। बच्चों और युवाओं के साथ नियमित संवाद ही उन्हें सही दिशा दे सकता है। केवल आदेश देने से बात नहीं बनेगी, बल्कि परिवार और समाज को युवाओं के साथ समय बिताना होगा और उनकी बात भी सुननी होगी।

राहुल गांधी बोले-प्रधान करप्शन का सिंबल, उन्हें जाना ही था

एजुकेशन सिस्टम खोखला कर दिया, सरकार इसे बदलने के लिए कदम उठाए

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा- प्रधान को तो जाना ही था। अच्छा है चला गया। वो भ्रष्टाचार का सिंबल है। उसने देश के एजुकेशन सिस्टम खोखला कर दिया। मेरी तरफ से छात्रों को जो सपोर्ट चाहिए हम तैयार हैं। हम छात्रों और उनके भविष्य को बचाने के लिए खड़े हैं। राहुल ने कहा- हमारा शिक्षा सिस्टम, जिसे कभी दुनिया भर में अच्छा माना जाता था, उस पर हमले हो रहे हैं, उस पर कब्जा किया जा रहा है। उसका निजीकरण किया जा रहा है। इसमें जितनी गलती पीएम की है। उतनी ही आरएसएस की है। राहुल ने कहा- छात्रों पर हुई हिंसा के लिए अमित शाह सीधे जिम्मेदार हैं। छात्रों पर चलाई गई पैलेट गन के लिए जिम्मेदार हैं। हम यह नहीं स्वीकार कर सकते कि पुलिस छात्रों पर इस तरह का एक्शन ले।

दिन में कहा था- प्रधान का मंत्रालय बदले ये भी मंजूर नहीं

इससे पहले दिन में भी पेपर लीक मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा था, 'शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटना ही होगा। सरकार सोच रही है उनका मंत्रालय बदल दिया जाए, लेकिन यह मंजूर नहीं।' राहुल गांधी ने कहा, 'नरेंद्र मोदी को युवाओं से माफी मांगनी ही होगी। वे भारत के अतीत हैं और अतीत कभी भविष्य से लड़ नहीं सकता।' उनके साथ लेफ्ट संगठन AISA की छात्राएं भी थीं। तीनों ने जंतर-मंतर पर 23 दिन की भूख हड़ताल की थी। इससे पहले राहुल ने शुक्रवार को भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें 20 जुलाई के छात्र प्रदर्शन में घायल एक युवक को साथ लेकर आए थे।

राहुल ने फिर 3 मांगें दोहराईं, कहा- इनसे कोई समझौता नहीं

राहुल ने कहा कि छात्रों की 3 मांगें हैं। इन तीनों से कोई समझौता नहीं होगा।

पहली- छात्रों की मांग साफ है कि धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए।

दूसरी मांग- छात्रों पर कार्रवाई करने वाले दिल्ली पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। छात्रों के खिलाफ पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया।

तीसरी- पीएम नरेंद्र मोदी को छात्रों पर हुए हमले के लिए माफी मांगनी चाहिए। राहुल ने पास खड़े छात्रों से कहा कि उन्हें उन पर गर्व है। ये छात्र डरने वाले नहीं हैं और वे देश के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

24 जुलाई: राहुल ने कहा था- प्रधान क्रिमिनल शिक्षा मंत्री

राहुल ने कहा, 'धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। वे हमारे एजुकेशन सिस्टम के ध्वस्त होने का प्रतीक हैं। उन्हें जाना ही होगा। उन्हीं की वजह से हजारों लोग सड़कों पर हैं।' उन्होंने छात्र के हाथ, पीठ और छाती में लगे घाव को दिखाया। राहुल ने कहा, 'मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहा था।' 20 जुलाई को नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी ने संसद मार्च निकाला था। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों की झड़प में 100 से ज्यादा छात्र और पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

प्रधान के इस्तीफे पर वर्ल्ड मीडिया : बीबीसी बोला- छात्रों के आगे झुकी मोदी सरकार

गार्डियन ने लिखा- जनता के दबाव में 12 साल में पहला इस्तीफा

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो गया है। नीट पेपर लीक केस में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी पिछले 36 दिन से जंतर-मंतर पर धरना दे रही है। इस्तीफे के बाद BBC ने लिखा कि मोदी सरकार को छात्रों के आगे झुकना पड़ा है। वहीं गार्डियन ने लिखा कि मोदी सरकार के 12 साल में पहली बार जनता के दबाव में किसी मंत्री का इस्तीफा हुआ। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को न्यूयॉर्क टाइम्स, CNN, अल जजीरा और डॉन समेत कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने भी टॉप स्टोरीज में जगह दी है।

सरकार ने छात्रों के गुस्से का सही अंदाजा नहीं लगाया

2014 में सत्ता में आने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी सरकार आम तौर पर विरोध प्रदर्शनों के प्रति सख्त रुख अपनाती रही है और शायद ही कभी किसी बड़े आंदोलन के आगे झुकी हो। इससे पहले मोदी सरकार ने सिर्फ एक बड़े मामले में अपना फैसला वापस लिया था, जब करीब एक साल तक चले किसान आंदोलन के बाद तीनों कृषि कानूनों को रद्द करना पड़ा था। इस बार सरकार को अंदाजा नहीं था कि छात्र आंदोलन इतना बड़ा और लंबा चलेगा। शुरुआत में कई हफ्तों तक आंदोलन को नजरअंदाज किया गया, लेकिन इस सप्ताह संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की सख्ती के बाद देशभर में तीखी प्रतिक्रिया हुई और सरकार पर दबाव काफी बढ़ गया। धर्मेंद्र प्रधान जैसे वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री वास्तव में इस्तीफा देंगे या नहीं, इसे लेकर आखिरी समय तक कुछ पता नहीं चल पा रहा था। उनके इस्तीफे के बाद आंदोलन में शामिल छात्रों, खासकर पहली बार किसी बड़े प्रदर्शन का हिस्सा बने युवाओं को अपनी जीत का अहसास हो रहा है।

द गार्डियन: मोदी के सबसे करीबी मंत्रियों में से एक का इस्तीफा

भाजपा के 12 साल के शासन में यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री मोदी के सबसे करीबी और भरोसेमंद मंत्रियों में से एक को सार्वजनिक दबाव के कारण इस्तीफा देना पड़ा है। इनका नेतृत्व नए बने युवा राजनीतिक संगठन कॉकरोच जनता पार्टी ने किया। इस सप्ताह यह आंदोलन देशभर में युवाओं के बड़े विरोध प्रदर्शन में बदल गया। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर मिलते ही दिल्ली में जुटे हजारों सीजेपी समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रदर्शनकारियों ने जश्न मनाया और इसे सरकार से जवाबदेही की अपनी मांग की बड़ी जीत बताया।

NYT: प्रदर्शनकारियों को 'आतंकियों की बी-टीम' कहा था, अब रिजाइन

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। भारत में चल रहा छात्र आंदोलन सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन गया था। इस आंदोलन की अगुआई खुद को 'कॉकरोच' कहने वाले छात्र समूह कर रहे थे। यह नाम भारत के चीफ जस्टिस की कथित अपमानजनक टिप्पणी से प्रेरित था। यह संगठन शुरुआत से ही धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा मांग रहा था। इस महीने प्रदर्शनकारियों पर हुए बल प्रयोग ने इस आंदोलन को भारत के कई शहरों तक फैला दिया। धर्मेंद्र प्रधान पहले इन प्रदर्शनों को गंभीरता से नहीं ले रहे थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर विपक्षी दलों पर छात्रों का इस्तेमाल कर अव्यवस्था फैलाने का आरोप लगाया था। जून में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने छात्र प्रदर्शनकारियों को 'आतंकवादियों की बी-टीम' तक कह दिया था। अब धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद छात्र आंदोलन को और बल मिल सकता है और छात्र अपनी दूसरी मांगों को लेकर भी सरकार पर दबाव बढ़ा सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।